ISSN No. 2349-4654
नाद-नर्तन जर्नल ऑफ डांस एण्ड म्यूज़िक
वर्ष : 4, अंक : 1, जनवरी 2017

हरियाणा के जीन्द जिले के विद्यालयों में संगीत शिक्षण की स्थिति : समस्या एवं निदान

महिन्द्र कौर

शोधार्थी, संगीत विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक

संगीत एक प्रयोगिक विषय है और यह विषय विद्यालय स्तर से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक पढ़ाया जाता है। लेखक द्वारा विद्यायलीन स्तर पर इस विषय की समस्याओं को इंगित किया हैं इसके अंर्तगत हरियाणा की जीन्द जिले के विद्यालयों में संगीत विषय पर एक सर्वेक्षण किया गया जिसके अंर्तगत सरकारी एवं निजि संस्थाओं से सम्बन्धित विद्यालयों को इस सर्वेक्षण का मुख्य केन्द्र रखा गया है। जिसमें मैंने C.B.S.E से पारित विद्यालयों तथा हरियाणा बोर्ड सैकेण्डरी ऐजुकेशन से पारित विद्यालयों की एक सूची तैयार की है। इन विद्यालयों में संगीत विषय से सम्बन्धित आँकड़े इस प्रकार है—

Sr. No.	**C.B.S.E** सैंट्रल बोर्ड सैकेण्डरी एजुकेशन	**H.B.S.E** हरियाणा बोर्ड सैकेण्डरी ऐजुकेशन द्वारा संचालित विद्यालयों में संगीत शिक्षण	**Convent School**	**Total**
1	Indus Public School	Blue Bird Montensory High School	F.S Convent School	3
2	Motilal Nehru Public School	J.L.N High School	Christ Raja Convent School	3
3	Delhi Public School	Janta Vidya Mandir		2
4	G.D Goenika	Sada Shiv Vidya Mandir School		2
5	D.A.V. Centrary School	Chetna High School		2
6	M.D Vidya Mandir	Ekta High School		2
7	Holy Heart High School	Dayanand High School		2
8	Supreme Sr. Sec. School	Saraswati High School		2
9	Aadharshila Public School	Jat Sr. Sec. School(G)		2
10	Aaron Public School	Jat Sr. Sec. School(B)		2
11	Guru Dronocharya High School	Govt. Girls School		2
12	Happy Sr. Sec. School	Govt. School Boys		2
13	Saint Mira International School	S.D School (G)		2
14	S.P Memorial High School	S.D School (|B)		2
15	Gopal Vidya Mandir Sr. Sec. School	D.N Model School		2
16	The Apex High School	Bal Vikas High School		2
17	C.M.B.R.G High School	Geeta Vidya Mandir		2
18	Guru Teg Bahadur High School	Jind Public School		2
19	Woodstock Public School	Arya Public School		2
20	Plus Point Sr. Sec. School	Bharat Vidya Mandir		2
21	Maharaja Agrasen Sr. Sec. School			1
22	Golden Sr. Sec. School			1
23	New Delight High School			1
24	Lord Shiva High School			1
25	S.K Sr. Sec. School			1
Total	**25** **(53.19%)**	**20** **(42.55%)**	**2** **(4.26%)**	**47** **(100%)**

संगीत शिक्षण के प्रकार पर आधारित विद्यालय (विभिन्न शिक्षण बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में संगीत विषय)

विद्यालयों के प्रकार	संगीत विषय के रूप में	संगीत मनोरजन के रूप में	संगीत विषय नहीं है	कुल
C.B.S.E	9 (36%)	11(44%)	5(20%)	25(53.19%)
H.B.S.E	7 (35%)	5 (25%)	8(40%)	20(42.55%)
Convent School	2 (4.26%)	2 (4.26%)		
Total				**47 (100%)**

यह आँकड़े प्राप्त करने के पश्चात ज्ञात हुआ कि H.B.S.E द्वारा पारित केवल 20(42.55%) विद्यालय में संगीत विषय उपलब्ध हैं एवं C.B.S.E द्वारा परित 25(53.19%) विद्यालयों में संगीत विषय उपलब्ध है।

H.B.S.E द्वारा पारित विद्यालयों में संगीत विषय का प्रतिशत बहुत कम प्राप्त हुआ है जिसका कारण है H.B.S.E द्वारा संगीत विषय के अंक, अंक-तालिका में सम्मिलित न किया जाना।

C.B.S.E द्वारा पारित विद्यालयों में संगीत विषय का अच्छा प्रतिशत(%) प्राप्त हुआ और इन विद्यालयों में संगीत विषय के लिए व्यवस्था भी बहुत अच्छे प्रकार से की गई है। C.B.S.E द्वारा पारित विद्यालय Indus Public School की प्राचार्य अरूणा शर्मा जी से वार्तालाप करने पर उन्होंने बताया कि उनके विद्यालय में 9वीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक संगीत विषय की सुविधा विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है और अन्य कक्षाओं के लिए संगीत मनोरजन के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए अलग से संगीत कक्षा की व्यवस्था है जहाँ पर विद्यार्थियों को उनके विषय से सम्बन्धित ज्ञान प्रायोगिक रूप में करवाया जाता है और वाद्यों की भी उचित व्यवस्था हैं तथा प्रत्येक कक्षा के विद्यार्थियों को सांस्कृतिक-कार्यक्रम में भी अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया जाता है।

H.B.S.E द्वारा पारित विद्यालय Govt. School के प्राचार्य 'आजाद सिंह लाठर' से बातचीत करने के बाद यह जानकारी प्राप्त हुई कि जो सरकारी विद्यालय बालक छात्रों से सम्बन्धित है वहाँ पर संगीत विषय उपलब्ध नहीं है परन्तु बालिका छात्रों से सम्बन्धित है वहाँ संगीत विषय की उचित व्यवस्था है और वहाँ विद्यार्थियों को सांस्कृति कार्यक्रमों में भी अपनी प्रतिभा दिखाने का उचित अवसर दिया जाता है।

H.B.S.E द्वारा पारित एक अन्य विद्यालय 'जाट सीनियर सैकेण्डरी स्कूल' में संगीत की अत्यन्त दयनीय स्थिति देखने को मिली। वहाँ विद्यार्थियों के लिए न ही अलग से संगीत कक्षा की व्यवस्था है और न ही वहाँ पर वाद्यों की व्यवस्था है वहाँ संगीत विषय केवल रचनात्मक रूप में ज्यादा दिखाई दिया जाता है या केवल सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान। इस विद्यालयों के विद्यार्थियों से बातचीत करने पर यह तथ्य समक्ष आया कि कुछ विद्यार्थी जिनकी संगीत विषय में रुचि है वह संगीत के प्रायोगिक रूप से वंचित रह जाते हैं।

इसके अतिरिक्त Govt. School में से Christ Raja Convent School की मुख्याध्यापिका Sister Shalom से बातचीत करने के दौरान यह ज्ञात हुआ कि उनके विद्यालय में संगीत को विषय के रूप में न अपना कर मनोरजन के रूप में प्रयोग किया जाता है तथा सभी कक्षाओं को संगीत की शिक्षा प्रयोगिक रूप में उपलब्ध करवाई जाती हैं तथा समय-समय पर विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है।

अत: इन विद्यालयों का सर्वेक्षण करते समय एक ठोस तथ्य तो परिलक्षित हुआ वह यह कि इन सभी विद्यालयों में संगीत केवल गायन के रूप में प्रयोग किया जा रहा है संगीत वादन की तो कहीं छवि भी दिखाई पड़ती। अर्थात वादन संगीत की स्थिति अत्यन्त दयनीय है।

जीन्द स्थित विद्यालयों में संगीत सम्बन्धित समस्याएँ:

उपरोक्त विद्यालयों के सर्वेक्षण स्वरूप जो समस्याए सामने आई वे इस प्रकार हैं—

1. विद्यालयों की प्रबंधक कमेटी का संगीत विषय में प्रति रुचि का अभाव।
2. विद्यार्थियों द्वारा भी संगीत विषय में रुचि का अभाव।
3. हरियाणा सरकार द्वारा संगीत विषय की स्थिति पर विचार न करना।
4. विद्यालयों में संगीत विषयों के लिए उचित प्रावधान न होना।
5. संगीत अध्यापक का अपने विषय में सक्षम न होना।
6. हरियाणा सरकार द्वारा 9वीं तथा 10 वी कक्षा में संगीत विषय के अंक अंक-तालिका में शामिल न करना।
7. विद्यार्थियों के माता-पिता द्वारा संगीत विषय के प्रति बालकों को प्रेरित न करना।

निदानः

जीन्द जिले के विद्यालयों की संगीत सम्बन्धित समस्याओं के समाधान के लिए कुछ सुझाव इस प्रकार हैं—

1. हरियाणा के मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री को संगीत विषय सम्बन्धी समस्याओं से अवगत करवाना।
2. जनता में संगीत विषय के प्रति जागरूकता पैदा करना।
3. जिला उपायुक्त को संगीत-विषय की स्थिति से अवगत करवाना एवं संगीत विषय के सुधार के लिए उचित प्रावधान करवाना।
4. विद्यालयों में जाकर 'निजि स्तर' पर संगीत कार्यशाला की आयोजन करना एवं संगीत के प्रति विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को जागरूक करना।
5. निजी विद्यालय प्रारम्भ करना एवं विद्यार्थियों के संगीत शिक्षा की उचित व्यवस्था कराना।
6. निजी स्तर पर संगीत-सम्बन्धी कार्यक्रमों का आयोजन करना।

निष्कर्षः-

संगीत विषय पर सवेक्षण करने के पश्चात अतंतः यही कह सकते है कि संगीत विषय की स्थिति अत्यन्त दयनीय ही है इस स्थिति में सुधार के लिए विद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों से बातचीत करके, प्रबंधक कमेटी से परामर्श करके ही उचित सुधार किया जा सकता है। ताकि आने वाले समय में हस संगीत को उचित और सम्मानित स्थान दिलवा सकें जिन लोगों के लिए संगीत विषय का कोई महत्त्व नहीं है उन्हें इसके महत्त्व से अवगत करवाया जाए एवं संगीत को समाज में हर सम्भव प्रयास द्वारा सम्मान एवं उचित स्थान दिलवा सकें और संगीत विषय एक चरमोत्कर्ष पर उन्नति प्राप्त करे।

पाद-टिप्पणियाँ

साक्षात्कार

1. अरुणा शर्मा, प्राचार्य इंडस पब्लिक स्कूल, समय 12.30, 17 अगस्त 2016, जींद
2. आजाद सिंह लाठर, प्राचार्य गवर्नमेंट गर्ल्स स्कूल, समय 2.00, 20 अगस्त 2016
3. सिस्टर शालौम, प्राचार्य क्राईस्ट राजा कान्वेंट स्कूल, समय 11.00, 25 अगस्त 2016